इकाई 14 व्यावसायिक नीतिशास्त्र*

रूपरेखा

14.0 उदेश्य

14.1 परिचय

14.2 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता की परिभाषा

14.3 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता के पहलू

14.4 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता के लक्षण

14.5 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता का महत्व

14.6 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता को प्रभावित करने वाले कारक

14.7 नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों का अनुप्रयोग : कर्तव्यपरक, परिणामवाद, सद्‌गुण नीतिशास्त्र

14.8 कॉर्पोरेट (निगम) सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका (सीएसआर)

14.9 सारांश

14.10 कुंजी शब्द

14.11 अन्य सहायक अध्ययन–सामग्री एवं सन्दर्भ

14.12 बोध प्रश्नों के उत्तर

14.0 उदेश्य

इस इकाई के उद्देश्य इस प्रकार हैं;

- व्यावसायिक नैतिकता क्या है इसे समझना और विश्लेषण करना।
- एक व्यावसायिक संगठन में उत्पन्न होने वाली व्यावसायिक नैतिकता और नैतिक समस्याओं की महत्वपूर्ण विशेषताओं की जांच करना।
- अनैतिक व्यापार प्रथाओं पर उदाहरणों के साथ चर्चा करना और व्यावसायिक नैतिकता की संहिता के माध्यम से कंपनियां उनसे कैसे बच सकती हैं।

---

* सुश्री दीप्ति सिन्हा, सहायक प्राध्यापक (दर्शनशास्त्र), मानवीकि विभाग, देल्ही टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, देल्ही। अनुवादक– डॉ. भरत कुमार भारती, सलाहकार (दर्शनशास्त्र), श्यामलाल महाविद्यालय शिक्षण केन्द्र, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय।

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

- आज की अर्थव्यवस्था में व्यावसायिक नैतिकता के स्वरूप, पहलुओं और बढ़ते महत्व की व्याख्या करना।

14.1 परिचय

एथिक्स (नीतिशास्त्र) की जड़ें एथोस शब्द में है, जिसका अर्थ है चरित्र। नीतिशास्त्र आचार संहिता का एक दार्शनिक अध्ययन है जो माना जाता है कि हमारे कार्यों को नियंत्रित करता है। इसकी सामाजिक स्वीकृति है जिसे सही या गलत के रूप में कार्रवाई का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाता है। कोई क्या करता है या क्यों करता है, इस पर यह एक आलोचनात्मक प्रतिबिंब है। जब हम व्यापार के बारे में बात करते हैं, तो यह माना जाता है कि व्यापार मानव सभ्यता जितना पुराना है और कानून बहुत बाद में अस्तित्व में आते हैं। कानून मूल रूप से समाज के नैतिक आचरण का औपचारिक संहिताकरण हैं। इसलिए, आमतौर पर यह माना जाता है कि आचार संहिता सबसे पहले तब शुरू होती है जब लोग समूहों में रहना शुरू करते हैं। इस प्रकार, शुरू से ही यह कहा जा सकता है कि नीतिशास्त्र मानव जाति को सही मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन करती रही है। नीतिशास्त्र की भूमिका एक चिरस्थायी मुद्दा रही है। नीतिशास्त्र एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह एक महत्वपूर्ण पहलू है कि हम कैसे व्यापार करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि व्यवसायों में नैतिक उत्तरदायित्व हमें नियमों, प्रक्रियाओं, प्रथाओं और व्यवहारों को समझने और स्थापित करने में मदद करते हैं, जो कर्मचारियों, व्यापारियों और प्रबंधन के बीच स्वीकार्य होंगे।

नीतिशास्त्र को बड़े और छोटे दोनों व्यवसायों के लिए एक प्रमुख चिंता के रूप में माना जा सकता है क्योंकि यह माना जाता है कि एक नैतिक आचार संहिता कर्मचारियों, व्यापारियों को सिखाती है कि व्यवसाय में क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। इसलिए यहां व्यावसायिक नैतिकता की भूमिका हमारे व्यावसायिक कार्यों के संभावित नतीजों को तौलने में सहायता और मार्गदर्शन करेगी और यह हमें नैतिक भेद कैसे आकर्षित करें और नैतिक दुविधाओं को हल करने के बारे में भी शिक्षित करेगी।

व्यवसायों के बढ़ते आकार और लाखों लोगों के जीवन पर उच्च प्रभाव और प्रभाव के कारण हाल के दिनों में नैतिकता की भूमिका महत्व प्राप्त कर रही है। व्यवसाय का उद्देश्य लाभ कमाना है और प्रत्येक व्यवसाय अपने लाभ को अधिकतम करने का प्रयास करता है।

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

तो यहाँ नैतिक प्रश्न हैं, कितना लाभ कमाना है और किस कीमत पर? इसका सामाजिक प्रभाव क्या होगा? क्या यह समाज के लिए फायदेमंद होगा? वे कौन से महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दे हैं जिन्हें हमें किसी व्यवसाय में जोखिम और लाभ कारक लागू करते समय रखना चाहिए? इन प्रश्नों को ध्यान में रखना आवश्यक है क्योंकि बाजार में, एक निश्चित बिंदु से परे, एक व्यक्ति का लाभ किसी और को नुकसान की कीमत पर हो सकता है। ऐसी स्थितियां हैं जहां लाभ कमाने के लिए व्यापार में शक्ति, अवैध प्रथाओं की भारी भागीदारी होती है। ऐसे समय में व्यापार में नैतिक आचार संहिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक अच्छा जिम्मेदार नागरिक से एक व्यवसायी के रूप में अपेक्षा की जाती है कि वह अपने लालच को सीमित करे और अवैध या अनैतिक प्रथाओं में शामिल न हो जो आम लोगों को नुकसान पहुंचाए।

आइए हम दो दोस्तों रमन और सतीश का उदाहरण लें। रमन और सतीश बहुत अच्छे दोस्त हैं। वे पास में रहते थे और एक ही इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे। कुछ वर्षों तक डछछ८ में नौकरी करने के बाद दोनों ने अलग–अलग अपनी IPO कंपनियों की शुरुआत की। रमन की कंपनी में, आईपीओ को ऊपरी तौर पर ओवर सब्सक्राइब किया गया था और अगर वह चाहते तो वह अपने ग्राहकों से अधिकतम राशि वसूलते। लेकिन इस स्थिति में, उनकी प्रबंधन टीम ने 50 रुपये से कम चार्ज करने का फैसला किया। कंपनी ने स्वेच्छा से अपने शेयरधारकों से लाभ नहीं लेने का फैसला किया। लेकिन दूसरी ओर, सतीश की कंपनी में, शेयर की कीमतों को पहले की कीमतों से लगभग दोगुना कर दिया गया और फिर वास्तविक आवंटन के समय शेयर की कीमतों में गिरावट के बावजूद अधिकतम पेशकश पर बेचा गया। सतीश की प्रबंधन टीम ने जो कुछ भी किया, क्या हम नैतिक रूप से इस तरह के कृत्य को सही ठहरा सकते हैं?

यहाँ यदि हम समाज के प्रति रमन की कंपनी के योगदान को देखें तो यह वास्तव में प्रशंसनीय है। रमन की कंपनी के पास अस्पतालों, सामाजिक विज्ञान संस्थान, और मौलिक अनुसंधान केंद्रों आदि जैसे सम्मानित केंद्रों पर भारी रकम निवेश करने की कोई कानूनी प्रतिबद्धता नहीं है। लेकिन मानवता और समाज का समर्थन करने के लिए रमन कॉर्पोरेट (व्यावसायिक) नैतिकता से ऐसा महान काम करता है।

किसी भी व्यावसायिक संगठन में शीर्ष कार्यकारी से लेकर निचले स्तर के कर्मचारियों तक, नैतिक आचरण बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए एक ही समय में दो चीजों के बीच

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

संतुलन बनाना बहुत महत्वपूर्ण है, वह है एक तरफ उच्च स्तर का आर्थिक प्रदर्शन और दूसरी ओर नैतिक व्यवसाय करना।

14.2 व्यावसायिक नीतिशास्त्र की परिभाषा

14.2.1 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या व्यावसायिक नैतिकता

अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र या नैतिकता की विभिन्न शाखाएं हैं और व्यावसायिक नीतिशास्त्र अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की महत्वपूर्ण शाखाओं में से एक है। व्यावसायिक नीतिशास्त्र दो शब्दों का मेल है– 'नीतिशास्त्र और व्यवसाय' जिसका अर्थ है व्यवसाय में नैतिकता का अनुप्रयोग। यह व्यावसायिक आचरण और व्यवहार के लिए सामान्य नैतिक नियमों का अनुप्रयोग है। ये व्यवसाय के नियम हैं जिनके द्वारा व्यावसायिक गतिविधियों को आंका जाता है। व्यावसायिक नीतिशास्त्र व्यवसाय और उद्योग में मूल्य के संगठित अनुप्रयोग हैं। व्यावसायिक नैतिकता नैतिक मानकों पर ध्यान केंद्रित करती है क्योंकि वे व्यावसायिक नीतियों, संस्थानों और व्यवहार पर लागू होते हैं। यह व्यवसाय में नैतिक रूप से सही या गलत कार्य का अध्ययन है। इसमें कहा गया है कि व्यवसाय नैतिक दिशानिर्देशों के तहत भी मुनाफा कमा सकता है। आज नैतिक प्रथाओं और व्यवसाय के नैतिक निहितार्थों के अनुप्रयोग को अधिक से अधिक रुचि और महत्व दिया जा रहा है।

व्यावसायिक नैतिकता एक प्रकार की लागू नैतिकता है जो नैतिक सिद्धांतों और व्यावसायिक दुनिया में उत्पन्न होने वाली समस्याओं का मूल्यांकन करती है। इसे कॉर्पोरेट नैतिकता भी कहा जाता है। व्यावसायिक नैतिकता का अर्थ है समाज का कल्याण करने के लिए व्यवसाय करना। इसलिए, यह सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है कि व्यवसायी अपने उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुओं और सेवाओं की नियमित आपूर्ति करें। यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें भ्रामक विज्ञापनों, उपभोक्ताओं के साथ छेड़छाड़ या बेवकूफ बनाने, कालाबाजारी आदि जैसी अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त होने से बचना चाहिए। उन्हें श्रमिकों या मजदूरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए और उचित मजदूरी देनी चाहिए और अच्छी और सुरक्षित काम करने की स्थिति प्रदान करनी चाहिए। लाभ कमाने के किसी भी अनुचित साधन से बचना चाहिए और उन्हें सरकार को नियमित रूप से अपने सभी करों का भुगतान करना चाहिए।

व्यापार नैतिकता के तीन सी (The three C* of Business ethics)

I)   **अनुपालनः** इसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं;

- नैतिक सिद्धांत।
- कानून।
- कंपनी की नीतियां।

II)   **योगदानः** निम्नलिखित योगदान हैं जो व्यवसाय को समाज के प्रति करना चाहिएरू

- उत्पादों/सेवाओं की गुणवत्ता
- रोज़गार।
- मूल– मूल्य।
- उत्पाद की उपयोगिता या उपयोगिता।

III)   **व्यावसायिक गतिविधि के परिणामः**

- संगठन के शेयरधारकों, बैंकरों, कर्मचारियों और ग्राहकों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व।
- अच्छी सार्वजनिक छवि।

व्यावसायिक नैतिकता मूल रूप से उन नैतिक सिद्धांतों को संदर्भित करती है जिन्हें व्यावसायिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए स्वीकारा जाता है। व्यावसायिक नैतिकता का उद्देश्य व्यवसाय द्वारा व्यवहार के मानदंड निर्धारित करना है। उदाहरण के लिए;

1. ग्राहकों से उचित मूल्य वसूलना।
2. सरकार को समय पर करों का भुगतान करना।
3. श्रमिकों को उचित व्यवहार देना।
4. उचित लाभ अर्जित करना।

हाल के दिनों में उजागर हुए कई घोटालों और अवैध व्यापार प्रथाओं के कारण व्यावसायिक नैतिकता ने ध्यान खींचा है। व्यावसायिक नैतिकता में अनैतिक व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। व्यावसायिक इकाई के लिए उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना और व्यावसायिक प्रथाओं में नैतिक होना बहुत महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित दो उदाहरण हैं जो व्यावसायिक संस्थाओं के अनैतिक आचरण को दर्शाते हैं;

मेटालिक मोबाइल कंपनी; 'मेटालिक मोबाइल कंपनी' नाम की एक प्रसिद्ध मोबाइल कंपनी ने 2010 में लोगो फोन लॉन्च किया, जो पूरी दुनिया में व्यापक रूप से बेचा गया था।

लेकिन दुनिया भर में बैटरी खराब होने, हीटिंग की समस्या, फोन में आग लगने की रिपोर्ट के कारण, मेटालिक मोबाइल कंपनी द्वारा हजारों लोगो मोबाइल को नए सुरक्षित फोन से बदल दिया गया, जिससे कंपनी को भारी शर्मिंदगी और आर्थिक नुकसान हुआ। लेकिन नए फोन में फिर से वही समस्याएं पाई गईं क्योंकि कई ग्राहकों ने बदले गये फोन में आग लगने की सूचना दी। कई देशों ने प्लेन में इन फोन को ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। फोन में समस्या को ठीक करने में असमर्थ, मेटालिक मोबाइल कंपनी को दुनिया भर में फोन की बिक्री को पूरी तरह से रोकना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके कारण मेटालिक मोबाइल कंपनी को करीब 3.9 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। उत्पाद की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इस तकनीकी विफलता के कारण आर्थिक नुकसान हुआ, मेटालिक मोबाइल कंपनी के उत्पादों में उपभोक्ताओं के विश्वास की हानि हुई।

बेटर–राइड कार प्रदूषण धोखाधड़ी का मामला: बेटर–राइड कारों के कई मॉडल दुनिया भर में बेचे गए जहां बेटर–राइड कार कंपनी ने डीजल कारों के कम प्रदूषण स्तर का दावा किया। लेकिन बाद में एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी लिमिटेड (ईपीएएल) ने पाया कि बेची गई लगभग 540,000 बेटर–राइड कारों में विशेष सॉफ्टवेयर था जिसका उद्देश्य प्रदूषण स्तर का पता लगाने से बचना था। इस सॉफ़्टवेयर ने इन कारों में डीजल इंजनों को यह पता लगाने में सक्षम किया कि परीक्षण के समय इंजन अपने प्रदर्शन को परीक्षण परिणामों में सफलता के लिए सुधार लें। बाद में बेटर–राइड कार कंपनी ने स्वीकार किया कि उन्होंने इस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके प्रदूषण परीक्षणों को धोखा दिया। इस मामले के परिणामस्वरूप फिर से उपभोक्ता विश्वास और आत्मविश्वास की हानि हुई। ईपीएएल ने कंपनी पर जुर्माना भी लगाया और प्रदूषण धोखाधड़ी के लिए बेटर–राइड कार कंपनी के खिलाफ 20.6 बिलियन डॉलर के जुर्माने के लिए मामला सुलझाया गया

बोध प्रश्न।

टिप्पणी: अ) अपने उत्तर के लिए दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

आ) अपने उत्तरों की जांच इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से कीजिए।

1. व्यावसायिक नैतिकता से आप क्या समझते हैं?

——

——

____

____

2. समाज में व्यावसायिक नैतिकता की क्या भूमिका है?

____

____

____

____

14.3 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता के पहलू

आइए अब हम व्यवसाय के दो पहलुओं पर चर्चा करें; कॉर्पोरेट प्रशासन और वित्तीय रिपोर्टिंग।

14.3.1 कॉर्पोरेट (निगम) से संबंधित शासन प्रणाली

यह मूल रूप से इस बात से संबंधित है कि व्यवसाय कैसे संचालित होते हैं। यह नैतिक नीतियों पर आधारित है जो एक अच्छे, सफल व्यवसाय का एक अनिवार्य ढांचा है। उदाहरण के लिए, श्री अशोक, एक ईमानदार अधिकारी, लोक निर्माण विभाग में, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद एक कंपनी शुरू की जिसका 'बिजनेस एसेंट' नाम दिया और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ उनकी कंपनी 1990 के दशक के अंत में सबसे अच्छी प्रबंधित कंपनियों में से एक के रूप में उभरी। उनकी कंपनी ने बहुत अच्छी कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं को अपनाया और कई अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। उनकी कंपनी ने हितधारकों को जानकारी का खुलासा करते हुए वास्तव में उच्च स्तर की पारदर्शिता बनाए रखी थी और 2005 में शबिजनेस एसेंटश को सरकार द्वारा 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- सभी व्यावसायिक गतिविधियां और प्रथाएं कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर आधारित होनी चाहिए। व्यवसायों में लाभ कमाना किसी भी व्यवसाय में केवल उद्देश्य नहीं होना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि कॉर्पोरेट निकायों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में पता होना चाहिए। उन्हें मानवता के प्रति बुनियादी सरोकार होना चाहिए। सार्वजनिक सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और लोक कल्याण के प्रति उनकी जिम्मेदारी है।

इस प्रकार कॉर्पोरेट प्रशासन को स्वास्थ्य, मानवाधिकार, पर्यावरण आदि जैसे प्रमुख मुद्दों से संबंधित होना चाहिए, हालांकि वे सीधे व्यवसाय का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें सतत विकास में योगदान देना चाहिए। सार्वजनिक भलाई और पर्यावरण के प्रति यह अहसास अच्छा व्यवसाय करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

- प्रत्येक कॉर्पोरेट इकाई के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह संगठन के नैतिक कामकाज के लिए एक आचार संहिता तैयार करे। यह सभी ग्राहकों, कर्मचारियों और हितधारकों को पता होना चाहिए।
- कारपोरेट प्रशासन को अपने व्यवहार, व्यापार नीतियों, योजनाओं और कार्यों में पारदर्शिता के मामले में जांच के दायरे में रहना चाहिए।
- संचार तंत्र और सूचना सभी के लिए इस हद तक उपलब्ध होनी चाहिए कि यह व्यवसाय की प्रगति को बाधित न करे। यह वास्तव में व्यावसायिक प्रथाओं की अखंडता और कर्मचारियों से निष्पक्ष वफादारी निकालने के साथ अच्छी तरह से चला जाता है।
- व्यवसाय को उन सभी लोगों के लिए समानता और न्याय के सिद्धांत को सुनिश्चित करना चाहिए जो व्यवसाय में शामिल हैं। यह कॉर्पोरेट प्रबंधन और समूहों की गरिमा, विश्वसनीयता को बढ़ावा देने और बढ़ाने में मदद करता है।
- कॉरपोरेट गवर्नेंस को हमेशा इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में नैतिक आचरण के माध्यम से उत्कृष्टता और विकास की तलाश करनी चाहिए।
- सरकार द्वारा रखे गए नियमों और विनियमों का व्यावसायिक इकाई द्वारा पालन किया जाना चाहिए और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। कोई भी अनैतिक आचरण जो व्यापार जगत और संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाएगा, उसे किसी भी कीमत पर टाला जाना चाहिए।

14.3.1.1 कॉर्पोरेट प्रशासन में नैतिक मुद्दे

कॉर्पोरेट प्रशासन सीधे संबंधित है और कंपनी के बाजार मूल्य और प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। इसलिए यदि कंपनी की शासन नीति खराब है, तो इसके परिणामस्वरूप प्रतिष्ठा को नुकसान हो सकता है, पूंजी निवेश की हानि हो सकती है, संगठन को जुर्माना हो सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम कॉर्पोरेट प्रशासन नीतियों में कुछ सामान्य गलतियों से बचें;

I) इनसाइडर ट्रेडिंगः इनसाइडर ट्रेडिंग तब होती है जब वर्गीकृत जानकारी के आधार पर शेयर खरीदे या बेचे जाते हैं। इनसाइडर ट्रेडिंग सुरक्षा के बारे में गैर–सार्वजनिक जानकारी के आधार पर एक सुरक्षा खरीदने या बेचने के लिए है। ज्ञान, सूचना, एक विशेषाधिकार जो वे व्यवसाय में लाभ प्राप्त करने के लिए ले सकते हैं, के मामले में अंदरूनी निवेशकों को बाजार में अन्य निवेशकों पर एक फायदा है। व्यावसायिक गतिविधियों में पारदर्शिता की कमी से कंपनी को नियामक एजेंसियों से दंड का सामना करना पड़ सकता है।

II) ओवर बोर्डिंगः ओवर बोर्डिंग की अवधारणा निदेशक या कार्यकारी को संदर्भित करती है जो कई बोर्डों के लिए बैठता है और काम करता है। यह अप्रतिबंधित समय प्रतिबद्धताओं और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में असमर्थता का कारण बन सकता है। कंपनियां अधिक प्रतिबद्ध निदेशकों के बारे में चिंताओं पर विचार करती हैं और परिणामस्वरूप नीतियों को उन बोर्डों की संख्या को सीमित करने के लिए अपनाया जाना चाहिए जिन पर उनके निदेशक संगठन की सेवा करते हैं।

14.3.2 वित्त और लेखांकन

लेखांकन और वित्त प्रथाओं में नैतिकता कॉर्पोरेट प्रशासन के समान है। लेखांकन और वित्त प्रथाओं में भी अच्छी तरह से तैयार किए गए नैतिक नियम और विनियम हैं। यह आईटी और आईटीईएस कंपनी में घोटाले और घोटाले से संबंधित मामलों के बाद ध्यान में आता है। आइए हम घोटालों और घोटालों से संबंधित काल्पनिक उदाहरणों पर विचार करें; स्वराज सर्विस लिमिटेड जीवन–कल्याण बीमा ऋण घोटाला। स्वराज सर्विस लिमिटेड के मामले में पूरी तरह से विफलता दिखाई गई जहां धन के विचलन और गबन को कवर करने के लिए लेखांकन कदाचार किया गया था और मुनाफा दिखाया गया था जहां कोई भी अस्तित्व में नहीं था। स्वराज मामले में इस तरह की अनैतिक प्रथाओं ने वित्त और लेखा सौदों में पारदर्शिता की कमी को दिखाया। जीवन–कल्याण ऋण घोटाला भी एक और उदाहरण है जहां वित्तीय लेन–देन में पक्षपात और रिश्वतखोरी, वरिष्ठ प्रबंधकों द्वारा पारदर्शिता के नियम की अवहेलना जैसी कई अनैतिक प्रथाओं की सूचना मिली थी।

वित्त और लेखांकन प्रथाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सिद्धांत निम्नलिखित हैं;

- व्यवसायों को लेखांकन प्रथाओं के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन करना चाहिए।

- लेखांकन अभ्यास में पारदर्शिता का पालन करना महत्वपूर्ण है और कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले खातों में हेरफेर करने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

- व्यावसायिक कंपनियों को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान वित्तीय पहलुओं की रिपोर्ट करने के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन करना चाहिए।

- व्यवसायों में शामिल खर्च वैध होना चाहिए और कोई धोखाधड़ी लेनदेन नहीं होना चाहिए जिसे खातों में रिपोर्ट नहीं किया जा सकता है।

- वित्तीय लेखा परीक्षा का कंपनी के वित्तीय व्यवहार पर बहुत प्रभाव पड़ता है। इसकी एक बहुत ही महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी है क्योंकि यह किसी कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी देती है।

14.4 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता के लक्षण

व्यावसायिक नैतिकता की विशेषताएं निम्नलिखित हैं;

आचार संहिताः सभी व्यवसायी आचार संहिता का पालन करें। यह समाज के कल्याण के लिए क्या करना है और क्या नहीं करना है, यह बताने में मार्गदर्शन करता है।

बुनियादी ढांचा प्रदान करता हैरू व्यावसायिक नैतिकता एक सफल व्यवसाय करने के लिए एक बुनियादी ढांचा प्रदान करती है। यह व्यवसाय चलाने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और कानूनी आधार प्रदान करता है।

सामाजिक और नैतिक मूल्यों के आधार परः व्यावसायिक नैतिकता सामाजिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित है जिसमें आत्म–नियंत्रण, उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण, अखंडता, समाज की सेवा, सामाजिक समूहों के साथ उचित व्यवहार, कार्यस्थल पर कोई शोषण आदि शामिल हैं।

सामाजिक समूहों को सुरक्षा प्रदान करेंः व्यावसायिक नैतिकता सामाजिक समूहों जैसे उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, छोटे व्यवसायियों, सरकार, हितधारकों, शेयरधारकों आदि को सुरक्षा प्रदान करती है।

शिक्षा और मार्गदर्शन की आवश्यकता हैः अपने व्यवसायों में व्यावसायिक नैतिकता को कैसे लागू किया जाए, इससे परिचित होने के लिए शिक्षा और मार्गदर्शन आवश्यक घटक हैं। उन्हें व्यावसायिक नैतिकता के लाभों के बारे में पता होना चाहिए।

स्वैच्छिकता: व्यवसायिक नैतिकता को व्यवसायियों द्वारा स्वयं स्वीकार किया जाना चाहिए और उनका पालन किया जाना चाहिए। इसे कानूनों द्वारा लागू नहीं किया जाना चाहिए।

कर्मचारियों का सम्मान: यह बहुत जरूरी है कि संगठन का मालिक अपने कर्मचारियों का सम्मान करे। उन्हें अपनी राय को महत्व देना चाहिए, उनके साथ सम्मान से पेश आना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके प्रयासों को मान्यता दी जाए और उन्हें पुरस्कृत किया जाए।

सापेक्ष पद: व्यावसायिक नैतिकता एक रिश्तेदार है। यह एक व्यवसाय से दूसरे व्यवसाय में, एक देश से दूसरे देश में, संगठन और व्यवसाय इकाई की आवश्यकता और आवश्यकता के अनुसार बदलता रहता है।

अखंडता: व्यावसायिक संगठन में सत्यनिष्ठा नियमित रूप से प्रदर्शन करने और कार्यस्थल पर स्वस्थ वातावरण के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जनता को अच्छी सेवाओं की सफलता, प्रबंधन और वितरण की शुरुआत है।

समाज के हित: किसी भी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य समाज और जनता के विकास और कल्याण की दिशा में कार्य करना होता है।

बोध प्रश्न II

टिप्पणी: अ) अपने उत्तर के लिए दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

आ) अपने उत्तरों की जांच इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से कीजिए।

1. व्यापार जगत में कॉर्पोरेट प्रशासन का क्या महत्व है?

____

____

____

____

2. व्यावसायिक नैतिकता की आवश्यक विशेषताएं क्या हैं?

____

____

____

____

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

14.5 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता का महत्व

जैसा कि ऊपर की चर्चा से स्पष्ट है कि व्यवसायों के दीर्घकालिक आधारों के लिए, नैतिक आधार बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में कई शोधार्थियों ने इस प्रसिद्ध कहावत का समर्थन किया है:

'अच्छी व्यावसायिक नैतिकता अच्छे व्यवसाय को बढ़ावा देती है'। व्यावसायिक नैतिकता न केवल प्रबंधन में पेशेवरों और व्यावसायिकता को प्रोत्साहित करती है बल्कि यह व्यवसायियों को उनके जीवन में मूल्यों को विकसित करने और उनके आंतरिक आत्म को शुद्ध करने में भी मदद करती है। व्यावसायिक नैतिकता का महत्व इस प्रकार है;

अ) सकारात्मक परिणामः नैतिकता के साथ व्यापार हमेशा सकारात्मक परिणाम देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब व्यापार में नैतिक आचरण का पालन किया जाता है तो यह आपसी विश्वास, संबंधों में विश्वास, नियमों की स्वीकृति और समाज की स्वीकृति का निर्माण करता है।

आ) आंतरिक संतुष्टिः इस दुनिया में हर व्यवसायी मानसिक शांति, आत्मसंतुष्टि, तनाव और चिंता से मुक्त होना चाहता है। इसलिए यह माना जाता है कि मानसिक संतुष्टि प्राप्त करने के लिए केवल नैतिकता ही अच्छे व्यवसाय को बढ़ावा दे सकती है। समाज के प्रति व्यवसायियों का यह भी सामाजिक दायित्व है कि वे अपने व्यवसाय में लाभ कमाने के लिए अनैतिक आचरण न करें।

इ) व्यापार संगठन और व्यवसायियों की सद्भावनाः अच्छा नैतिक आचरण हमेशा व्यवसायों के साथ–साथ व्यवसायियों दोनों की सद्भावना को बढ़ावा देगा। एक सफल व्यवसाय के लिए, एक अच्छी सार्वजनिक छवि महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार एक व्यावसायिक संगठन की छवि खराब हो जाने पर यह सीधे व्यापार की बिक्री, लाभ, छवि को प्रभावित करता है।

ई) सफलता और विकासः व्यवसाय में नैतिक वातावरण अंततः व्यवसाय के विकास और सफलता की ओर ले जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी व्यक्ति की ईमानदार कड़ी मेहनत और ईमानदार प्रयास व्यक्ति को नैतिक बनाते हैं और उन्हें व्यवसाय में अपने प्रयासों में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं।

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

उ) नया प्रबंधनः संगठन के समग्र विकास और सम्मान के लिए नए प्रबंधन में नए नैतिक सिद्धांतों की आवश्यकता है।

ऊ) दूसरों को प्रोत्साहित और प्रेरित करेंः यह अन्य व्यवसायियों को भी नैतिक आचरण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करता है यदि कुछ व्यवसायियों ने नैतिक सिद्धांत का पालन करके लाभ अर्जित किया है। इसने दूसरों के लिए भी मिसाल कायम की।

14.6 व्यावसायिक नीतिशास्त्र या नैतिकता को प्रभावित करने वाले कारक

व्यवसाय में निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं;

1. नेतृत्वः सामान्य लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नेताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। नेता सलाहकार और आदर्श होते हैं जो नैतिक सिद्धांतों के तहत काम करने के लिए दूसरों का मार्गदर्शन, प्रभावित और प्रेरित करते हैं। नेताओं के लिए अपने आचरण में एक अच्छा उदाहरण और नैतिकता स्थापित करना आवश्यक है क्योंकि जहां अच्छे नेता होंगे वहां व्यापार में अच्छे नैतिक अभ्यास होंगे।
2. सतत विकासः एक संगठन को प्राकृतिक संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए और इसके उपयोग में नैतिक होना चाहिए। इसलिए भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों की सुरक्षा के लिए सतत विकास के सिद्धांत का पालन किया जाना चाहिए।
3. कॉर्पोरेट संस्कृतिः यह मूल्यों, विश्वासों, लक्ष्यों, मानदंडों के समूह का एक संयोजन है जो एक संगठन के भीतर प्रचलित है।
4. रणनीति और प्रदर्शनः व्यापार रणनीति में नैतिक आचार संहिता को प्रेरित और एकीकृत करने के लिए, व्यापार में कुछ प्रश्नों को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है, जैसे हम किस लिए खड़े हैं? हमारा उद्देश्य और उद्देश्य क्या है? समाज के कल्याण के लिए हमें किन मूल्यों का पालन करना चाहिए?

14.7 नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों का अनुप्रयोग : कर्तव्यपरक, परिणामवाद, सद्गुण नीतिशास्त्र

आइए सबसे पहले इन तीन नैतिक सिद्धांतों को एक–एक करके संक्षेप में बताएं, (जिनकी चर्चा पहले ही इकाई 1 में की जा चुकी है)।

14.7.1 कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र (Deontology)

Deontology शब्द ग्रीक शब्द "Deon" से लिया गया है, जिसका अर्थ है सही काम करना कर्तव्य। चार्ली डनबर ब्रॉड ने इस शब्द को कर्तव्य या अनिवार्य कार्यों के रूप में परिभाषित किया। इस सिद्धांत का श्रेय इमानुएल कांट (जिसे कांटियन सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है) को दिया जाता है। उनके अनुसार कोई भी कार्य सही होता है, यदि वह मुख्य सिद्धांतों के अनुसार किया जाता है। अतः यहाँ कर्मों को उन कर्तव्यों के अनुसार करना है जो नैतिक होने के लिए निर्धारित हैं। कांट के अनुसार, हमारे पास है

स्वयं के प्रति कर्तव्य, क्योंकि हम तर्कसंगत प्राणी और स्वायत्त प्राणी हैं। उदाहरण के लिएरू दूसरों की मदद का कर्तव्य, दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाने का कर्तव्य, अपनी प्रतिभा को विकसित करने का कर्तव्य आदि। यह सिद्धांत यह भी बताता है कि कार्रवाई का मकसद और इरादा महत्वपूर्ण है और कार्रवाई का परिणाम या परिणाम महत्वपूर्ण नहीं है। कांट के अनुसार नैतिक कर्तव्य निरपेक्ष आदेश को परिभाषित करते हैं। वे आदेश हैं जो हम एक तर्कसंगत प्राणी के रूप में हम पर थोपते हैं।

14.7.1.1 निरपेक्ष आदेश 3 सिद्धांतों या सूत्रों पर आधारित है

इस तरह से कार्य करें कि हम एक ही समय में यह भी कर सकें कि यह एक सार्वभौमिक कानून बन जाए। इस तरह से कार्य करें कि आप हमेशा मानवता के साथ व्यवहार करें। सिरों के राज्य के कानून बनाने वाले सदस्य की तरह कार्य करें।

14.7.2 परिणामवाद

इस नैतिक सिद्धांत के अनुसार, एक क्रिया का परिणाम यह तय करता है कि कार्रवाई सही है या नहीं। यदि किसी कर्म के परिणाम से सुख या आंतरिक भलाई उत्पन्न होती है तो उस क्रिया को सही माना जाता है और यदि वह पीड़ा उत्पन्न करती है तो क्रिया गलत है।

वे दो प्रकार के होते हैं;

अ) नैतिक अहंवादः यदि किसी कार्य के परिणाम से व्यक्ति को खुशी मिलती है तो कार्रवाई सही है।

आ) उपयोगितावाद या परोपकारी सुखवादः यदि किसी कार्य का परिणाम अधिकतम लोगों के लिए खुशी पैदा करता है तो कार्य सही है और यदि दर्द उत्पन्न होता है तो यह गलत कार्य है।

14.7.2.1 उपयोगितावाद

'उपयोगितावाद' शब्द को जेरेमी बेंथम और जॉन स्टुअर्ट मिल द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इस सिद्धांत के अनुसार, एक कार्य सही है यदि वह अधिकतम लोगों के लिए अधिकतम खुशी पैदा करता है और यदि वह दर्द पैदा करता है तो एक कार्य गलत है। इस सिद्धांत में, क्रिया का परिणाम महत्वपूर्ण है, मकसद और इरादा महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि, जेरेमी बेंथम सभी प्रकार के सुख गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से समान हैं। लेकिन जेएसमिल के लिए, खुशी के दो स्तर हैंरू निचला स्तर (शारीरिक सुख, क्षणिक सुख) और उच्च स्तर (चिंतन, संतोष, आत्म–प्राप्ति)।

14.7.3 सद्गुण नीतिशास्त्र

अरस्तू को इस नैतिक सिद्धांत का सबसे प्रमुख दार्शनिक माना जाता है। यह सबसे पुराने सिद्धांतों में से एक है जहां सद्गुणों की आदत होती है जो हमें एक तर्कसंगत जीवन जीने में मदद करती है। सद्गुणों को एक क्रिया के दो चरम (अधिकता और कमी) के बीच एक उचित संतुलन प्रदर्शित करने के लिए अर्जित आदतों के रूप में परिभाषित किया जाता है– दो चरम सीमाओं के बीच एक साधन खोजना जिसे स्वर्णिम मार्ग कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार कोई भी कर्म तभी सही होता है, जब एक सदाचारी व्यक्ति ऐसी ही स्थिति में क्या करता। उदाहरण के लिए;

नैतिक गुण	**अधिकता**	**स्वर्णिम मार्ग**	**न्यूनता**
सच्चाई	तथ्य और गोपनीयता के उल्लंघन करते हुए तथ्य और गोपनीयता को प्रकट करना	उचित व्यक्ति के लिए आवश्यक और पर्याप्त तथ्य प्रकट करना	गुप्त
साहस	धृष्ट / ढीठ	दृढ़ और विनम्र	कायरता

17.7.4 मामलों का अध्ययन

आइए हम यह देखने के लिए एक मामले पर विचार करें कि किसी स्थिति में क्या कार्रवाई की जानी है, यह तय करने में ये नैतिक सिद्धांत कैसे उपयोगी हैं;

श्री जोसेफ एक सफल व्यवसायी हैं और उनकी कंपनी 'जेके कंस्ट्रक्शन' को नीलकंठ नदी पर बांध निर्माण का प्रोजेक्ट मिला है। बांध की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं;

फ़ायदेः 1200 गांवों में सिंचाई सुविधा, 2450 गांवों में पेयजल उपलब्धता, 1400 मेगावाट बिजली उत्पादन.

परियोजना का डाउनलोडः 120 गांव जलमग्न, 1500 परिवार प्रभावित, 30,000 हेक्टेयर भूमि जलमग्न जिसमें 14,585 हेक्टेयर वन भूमि है.

यदि हम इस तरह की मेगा परियोजना के निर्माण को सही ठहराने के लिए विभिन्न नैतिक सिद्धांतों पर विचार करते हैं, तो हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि हम ऐसे बांध के निर्माण को न्यायोचित ठहराने के लिए कर्तव्य नैतिकता मानते हैं, तो कर्तव्य नैतिकता मदद नहीं करती है क्योंकि दोनों पक्षों के कर्तव्य हैं कि वे दूसरों के अधिकार का सम्मान करें। यदि हम इस परियोजना को उपयोगितावाद की दृष्टि से देखें तो बिजली उत्पादन, सिंचाई और पेयजल की दृष्टि से काफी लाभ हैं। हालांकि, इस परियोजना से लोग बड़ी संख्या में विस्थापित हो जायेंगे और वे अपनी आजीविका से वंचित हो जाएंगे। यह पारिस्थितिकी तंत्र को भी नुकसान पहुंचाएगा। जबकि आम जनता की भलाई के दृष्टिकोण से, इस परियोजना को अपनाया जा सकता है और लोगों के पुनर्वास के प्रयासों और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान को कम करने के प्रयासों दोनों के मुद्दों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इसे भी पूरा किया जाना चाहिए। यदि हम इस परियोजना को अधिकार सिद्धांत के दृष्टिकोण से मानते हैं, तो निश्चित रूप से लाभान्वित और प्रभावित लोगों के अधिकारों का संघर्ष है। नैतिक रूप से, परियोजना के अस्तित्व का अधिकार तभी है जब प्रभावित लोगों के अधिकारों का ध्यान रखा जाए।

14.8 कॉर्पोरेट (निगम) सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका (सीएसआर)

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी मूल रूप से एक व्यवसाय को इस तरह से संचालित करने से संबंधित है जो व्यवसाय द्वारा बनाए गए सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव के लिए

जिम्मेदार है। यह समाज पर उनके प्रभाव के साथ जिम्मेदार व्यवसाय प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता है और व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में हुई प्रगति को दिखाने के लिए नियमित आधार पर रिपोर्ट करना है। सीएसआर रिपोर्ट में शासन, कार्यकर्ता सुरक्षा और कल्याण, नैतिक आचरण, खरीद और आपूर्ति श्रृंखला संचालन, पर्यावरणीय प्रभाव, ऊर्जा लेखा परीक्षा जैसे मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। आज सीएसआर प्रयास सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं यह एक प्रकार का अंतरराष्ट्रीय निजी व्यवसाय स्व–नियमन है जिसका उद्देश्य नैतिक रूप से उन्मुख प्रथाओं और आचरण के तहत एक परोपकारी, कार्यकर्ता या धर्मार्थ प्रकृति के सामाजिक लक्ष्यों की दिशा में काम करना है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रकार इस प्रकार हैं; पर्यावरण, परोपकारी, नैतिक और आर्थिक जिम्मेदारी।

1. पर्यावरण संबंधी ज़िम्मेदारीः इसके अनुसार संगठन को सतत विकास के सिद्धांत का पालन करते हुए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। इस जिम्मेदारी को अपनाने के कई तरीके हैं जैसे प्रदूषण कम करना, ग्रीनहाउस प्रभाव, अक्षय ऊर्जा पर बढ़ती निर्भरता, टिकाऊ संसाधन आदि।

2. नैतिक जिम्मेदारीः इसका उद्देश्य सभी कर्मचारियों, हितधारकों (नेतृत्व, आपूर्तिकर्ताओं, निवेशकों, निर्माताओं, ग्राहकों सहित) के बीच उचित व्यवहार करना है। कार्यस्थल पर जाति, पंथ, धर्म, राष्ट्रीयता के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

3. परोपकारी जिम्मेदारीः इस जिम्मेदारी का उद्देश्य सक्रिय रूप से दुनिया और समाज को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाना है। इसमें किसी अन्य संगठन को धन दान करना, अच्छी सेवाएं देना शामिल है।

4. आर्थिक जिम्मेदारीः यह संगठन के स्वस्थ वित्त की दिशा में अभ्यास है। अंतिम लक्ष्य अनैतिक आचरण के बिना मुनाफा कमाना है।

दुनिया भर में कई उद्योग सीएसआर के महत्व से अच्छी तरह वाकिफ हैं। कई संगठनों ने लोगों, ग्रह और लाभ के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने में अनुशंसित कार्य दिखाया है।

5. सामुदायिक निवेशः उनकी विरासत और व्यवसाय के आधार पर, कंपनी निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है;

- समुदायों को मजबूत बनाना
- महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए अवसरों में सुधार
- बच्चों और युवाओं को उनकी क्षमता का उपयोग करने में मदद करना।

बोध प्रश्न III

टिप्पणी: अ) अपने उत्तर के लिए दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

आ) अपने उत्तरों की जांच इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से कीजिए।

1. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व से आप क्या समझते हैं?

____

____

____

____

14.9 सारांश

व्यावसायिक नीतिशास्त्र अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की एक महत्वपूर्ण शाखा है जहाँ नैतिक सिद्धांत व्यावसायिक आचरण और उसके लेन–देन के लिए दिशा–निर्देशों के रूप में कार्य करते हैं। प्रत्येक व्यवसाय में नैतिक आचरण की आवश्यकता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नैतिक दिशानिर्देशों के तहत मुनाफा कमाने में मदद करता है, श्रमिकों को सुरक्षित रखता है, व्यापार में मदद करता है और कंपनियों के बीच बातचीत ईमानदार और सुरक्षित रहती है और आम तौर पर व्यवसायों में इक्विटी (साम्यता) और निष्पक्षता के सिद्धांत को बढ़ावा देते हैं। व्यावसायिक नैतिकता क्यों महत्वपूर्ण है, इसका कारण हर दिन समाचारों में देखा जा सकता है जहाँ दैनिक आधार पर बहुत सारे व्यावसायिक घोटाले सुनने को मिलते हैं। हाल के दिनों में हमने देखा है कि कई निगमों को अनैतिक और संदिग्ध व्यवहार के लिए जवाबदेह ठहराया जाता है और उनकी ब्रांड छवि खराब होती है। इसलिए यहां व्यावसायिक नैतिकता हमें सार्वजनिक भलाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य और लोक कल्याण के प्रति जिम्मेदार निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। यह हमें व्यावसायिक इकाई और संगठन की गरिमा और सम्मान बनाए रखने में मदद करता है। व्यावसायिक नैतिकता एक संगठन में उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, छोटे व्यवसायों, सरकारों, शेयरधारकों आदि के विभिन्न सामाजिक समूहों की रक्षा करने के लिए है। व्यावसायिक नैतिकता व्यवसाय के लिए एक बुनियादी

ढांचा प्रदान करती है जो समाज के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, कानूनी विकास की दिशा में काम करती है। व्यवसाय मूल रूप से एक ऐसा संगठन है जिसमें विभिन्न सामाजिक और आर्थिक नियम और विनियम शामिल होते हैं। इसमें एक व्यक्ति के मानदंड और व्यवहार दिशानिर्देश शामिल हैं, जैसे कि अपने आप को कैसे व्यवहार करना है, अपने आप को कैसे सुधारना है, हमारे जीवन में हमारे मूल मूल्यों से समझौता किए बिना व्यावसायिक निर्णयों में खुद को कैसे संचालित करना है। मूल रूप से व्यावसायिक नैतिकता वास्तविक या उचित लाभ कमाने के खिलाफ नहीं है। यह केवल उस मुनाफे के खिलाफ है जो हम धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं को धोखा देकर प्राप्त करते हैं। यह निष्पक्ष और कानूनी तरीकों से व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन करता है। मूल रूप से व्यावसायिक नैतिकता वास्तविक या उचित लाभ कमाने के खिलाफ नहीं है। यह केवल उस मुनाफे के खिलाफ है जो हम धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं को धोखा देकर प्राप्त करते हैं। यह निष्पक्ष और कानूनी तरीकों से व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन करता है। मूल रूप से व्यावसायिक नैतिकता वास्तविक या उचित लाभ कमाने के खिलाफ नहीं है। यह केवल उस मुनाफे के खिलाफ है जो हम धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं को धोखा देकर प्राप्त करते हैं। यह निष्पक्ष और कानूनी तरीकों से व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन करता है।

14.10 कुंजी शब्द

व्यावसायिक नीतिशास्त्रः व्यावसायिक नीतिशास्त्र इस बात का अध्ययन है कि किसी व्यवसाय को नैतिक और नैतिक दिशानिर्देशों के तहत कैसे संचालित किया जाना चाहिए। यह अध्ययन के नैतिक सिद्धांत हैं जो व्यावसायिक गतिविधि में नैतिक दुविधाओं और विवादास्पद स्थितियों को हल करने में हमारी मदद करते हैं।

निगम प्रशासन अथवा कॉर्पोरेटः कॉर्पोरेट प्रशासन को कानूनों, नियमों और संचालन, प्रक्रियाओं के संयोजन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसके द्वारा व्यवसायों को विनियमित, निगरानी, संचालित और नियंत्रित किया जाता है। यह इस बात से संबंधित है कि गवर्निंग बोर्ड प्राधिकरण पूरे संगठन में व्यवसाय का प्रबंधन कैसे करता है। यह संगठन के भीतर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल प्रत्येक व्यक्ति के लाभ के लिए काम करता है

जो यह सुनिश्चित करता है कि उद्यम औपचारिक कानूनों, नैतिक मानकों और उचित और स्वीकार्य प्रथाओं का पालन करता है।

कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारीः कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी प्रबंधन अवधारणा का एक महत्वपूर्ण रूप है जिसके तहत व्यावसायिक संगठन और कंपनियां अपने व्यवसाय संचालन और अपने हितधारकों के साथ बातचीत में सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को एकीकृत करती हैं। यह सार्वजनिक अपेक्षाओं की सीमाओं के भीतर अपने संचालन के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव को जिम्मेदारी से प्रबंधित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता है। यह वर्णन करता है कि कैसे एक कंपनी समुदाय को वापस देती है या सुधारती है। सीएसआर व्यापार जगत में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि यह न केवल व्यापार, लाभ और राजस्व को बढ़ाता है बल्कि वे दुनिया भर में परिवर्तन और प्रगति को भी बढ़ावा देते हैं।

14.11 अन्य सहायक अध्ययय–सामग्री एवं सन्दर्भ

- दास, एस. पोलिटिक्स, एथिक्स एण्ड सोशल रेसपोंसबिलिटी, शिव दास एण्ड संस, 2017.
- फ्रेनंडो, एसी बिजनेस एथिक्स एंड कॉरपोरेट गवर्नेंस, पियर्सन एजुकेशन इंडिया, 2012.
- घोष, बीएन बिजनेस एथिक्स एंड कॉरपोरेट गवर्नेंस, मैकग्रा हिल एजुकेशन, 2017.
- सुब्रमण्यम, आर. प्रोफेशनल एथिक्स इंक्लुड्स ह्यूमन वैलुज, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017.
- वेलास्केज़, एमजी बिजनेस एथिक्सरू कॉन्सेप्ट्स एण्ड केसेज, पियर्सन एजुकेशन इंडिया, 2016.

14.12 बोध प्रश्नों के उत्तर

बोध प्रश्न I

1. व्यावसायिक नैतिकता को एक नैतिक आचार संहिता और सिद्धांतों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो व्यावसायिक संगठन के भीतर निर्णयों और कार्यों को नियंत्रित करते हैं। व्यवसाय की दुनिया में, संगठन कार्यों के मार्गदर्शन के लिए नैतिकता

का एक मानक निर्धारित करता है और व्यवसाय में निर्णयों को सही ठहराता है। यह नैतिक मुद्दों की जांच करता है जो कारोबारी माहौल में उत्पन्न हो सकते हैं।

2. समाज में व्यावसायिक नैतिकता की भूमिका कई कारणों से बहुत महत्वपूर्ण है। यह व्यवसाय को नैतिक आचरण और कानूनों की सीमाओं के भीतर काम करने के लिए रखता है। यह यह भी सुनिश्चित करता है कि वे अपने ग्राहकों, हितधारकों, कर्मचारियों, कर्मचारियों, श्रमिकों के खिलाफ कोई अपराध नहीं कर रहे हैं। यह व्यवसाय इकाई और व्यवसायियों को समाज में सफलता प्राप्त करने और लाभ कमाने में मदद करता है। व्यावसायिक नैतिकता भी व्यावसायिक कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का निर्माण करती है। व्यवसाय में आचार संहिता का पालन करना भी निवेशकों और शेयरधारकों के लिए अत्यधिक आकर्षक है। कर्मचारी द्वारा उच्च नैतिक प्रदर्शन न केवल इसमें मदद करता है। लाभ प्राप्त करना लेकिन एक व्यक्ति के रूप में अखंडता प्राप्त करना। कुल मिलाकर, व्यावसायिक नैतिकता की भूमिका कर्मचारियों, श्रमिकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच विश्वसनीयता, सम्मान, निष्पक्षता और अखंडता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नैतिक आचरण न केवल व्यवसाय में बल्कि जीवन के सभी पहलुओं में भी महत्वपूर्ण है। यह सभ्य समाज की नींव के लिए एक अनिवार्य हिस्सा है। एक व्यवसाय या समाज जिसमें नैतिक व्यवहार का अभाव है, वह देर–सबेर विफल हो ही जाता है।

बोध प्रश्न II

1. व्यापार जगत में कॉर्पोरेट प्रशासन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी भी संगठन के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण और आवश्यक भूमिका निभाता है। कॉरपोरेट जगत के लिए अच्छी कॉरपोरेट गवर्नेंस प्रथाएं कई सबक देती हैं। यह शेयरधारक की संपत्ति बढ़ाने और अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा करने में मदद करता है। कॉर्पोरेट प्रशासन एक अच्छी तरह से परिभाषित और लागू संरचना प्रदान करता है जो नैतिक आचार संहिता के मार्गदर्शन में कर्मचारियों, नियोक्ताओं, ग्राहकों के लाभ के लिए काम करता है। एक अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के बिना, किसी भी व्यावसायिक संगठन का वित्तीय स्वास्थ्य जल्द या बाद में क्षतिग्रस्त हो सकता है।

2. व्यावसायिक नैतिकता की आवश्यक विशेषताएं इस प्रकार हैं;

अ) कर्मचारियों का सम्मानः एक सच्चा और अच्छा व्यवसायी व्यवसाय की सफलता और विकास में अपने कर्मचारियों के योगदान को पहचानता है। आ) मुख्य मूल्यः व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने और सार्वजनिक रूप से व्यावसायिक संगठन की छवि को बढ़ाने के लिए प्रत्येक संगठन के पास नैतिक संहिता होती है। इ) वफ़ादारीः व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में ईमानदारी बनाए रखने के लिए ईमानदारी बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसी स्थिति होगी जहां आप लाभ के लिए अपने मूल्य से समझौता करने के लिए ललचाएंगे, लेकिन अगर हम एक नैतिक व्यवसायी बनना चाहते हैं तो हमें इसके ठीक विपरीत करना चाहिए। ई) सुरक्षित कार्य वातावरणरू एक नैतिक व्यवसायी को न केवल अपने कर्मचारियों का सम्मान करना चाहिए बल्कि उनके लिए काम करने वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण भी प्रदान करना चाहिए। उ) स्वैच्छिकः व्यवसायियों को आत्म–प्रेम के रूप में स्वेच्छा से व्यावसायिक नैतिकता का पालन करना चाहिए। इसे कानून और बल द्वारा बाध्य नहीं किया जाना चाहिए।

बोध प्रश्न III

1. कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी व्यापार जगत में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जहां कंपनियां अपने व्यवसाय संचालन और अपने हितधारकों के साथ बातचीत में सामाजिक, नैतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं को मिलाती हैं। यह विचार है कि एक व्यवसाय का समाज के प्रति उत्तरदायित्व होता है। यह पर्यावरण की रक्षा करने के लिए है, एक ऐसा कार्य वातावरण बनाने के लिए जो कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है।